## राजस्य विभाग युद्ध जागीर दिनांक 15 ग्रप्रैल, 1985

त्रमांक 422-ग-(1)-85/11676.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्तार मिधिनियम, 1948 (जैसा कि उन्ने हरियाणा राज्य में मपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंचे गए मिधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती राम प्यारी, विध्या श्री वलवन्त किंह, मकन नं 23 एच, फरूट गार्जन, एन० आई० टो०, फरीदाबाद, को खरीफ़, 1973 से खरीफ़, 1979 तक 150 एपये वाधिक तथा र्या, 1980 से 300 रुपये वाधिक कीमत की युद्ध जागीर सन्तर में दो गई गर्जी के अनुसार सहबं प्रशान करते हैं।

## दिनांक 22 ग्रामैल, 1985

कमांक 472-ज-(II)-85/12583.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार भिधितियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपताया गया है और उसने श्राज तक संशोधन किया गया है) को धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के श्रतुसार सौंपे गर्ने धिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्याताल, श्री श्री चन्द, पुत श्री दुल्ला, गांच निमाना, तहांकि शज्जर, जिला रोहतक, को रबी, 1973 150 हमये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 हमये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर जनद में दी गई शर्तों के श्रनुसार सहयं प्रदान करते हैं।

कर्माक 519-ण (II)-85/12697.—श्री वीदन राम, पुल श्री भागीरय, ग्रांव गूंजपुरा, तहसील नारनील, जिला महन्द्रगढ़, की दिमांक 30 मई, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्यरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (अंखा कि उसे हांरयाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संबोधन किया गया है) की छारा 4 एवं 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के सक्षीन प्रदान की गई अक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री वोदन राम का मृज्लिय 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 4834-र-69/28690, दिमांक 30 दिश्वस्वर, 1969, 5041- आर-111-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा, श्रीभवी सोनं।देवां के नाम खरीक, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई थी, अब उसकी विधवा, श्रीभवी सोनं।देवां के नाम खरीक, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अस्त्रीस प्रदान करते हैं।

## दिनोक 23 ग्रप्रैल, 1985

ऋमांक 529-ज-(II)-85/12861.—श्री भरत तिह, पुंत श्री तिरखा राम, गांव हरिता, तहसील व जिला हिसार, की दिनांक 29 सितम्बर, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हारेयाणा के राज्यपाल, पूर्वो पंजाब युद्ध पुरस्कार धार्धिनयम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अवीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री भरत तिह की मृक्तिग 300 रुपये थाधिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिनुषना कमाक 28/7-ज-(I)-72/31004, दिनांक 18 अगस्त, 1972 तथा 1789-जे-(I)-79/44040, दिनांक 30 प्रक्तूबर, 1979 हारा मंजूर की गई थी, मंत्र उसकी विधवा श्रीमती माया कौर के नाम रखी, 1985 से 300 रुपये वाधिक की दर से सनद में दी गई शांति है बन्तगंत प्रदान करते हैं।

## दिनांक 2 मई, 1985

क्रमांक 525-ज(11)-85/13853 — पूर्वी पंजाब युद्ध पुष्टस्कार ग्राधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के ग्रनुसार सीपे गये ग्राधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री रिख्याल, पुत्र श्री गोमा राम, गांव शाहबाजपुर, तहसील नारनील, जिला महेन्द्रगढ़, को रबी, 1974 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वाधिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के ग्रन्तर्गत सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 521-ज-(I)-85/13858.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें भाज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंप गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल श्री अमलु, पुत्र श्री तेलू राम, गांव लदाना, तहसील अम्बाला, जिला अम्बाला को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 स्पए वार्षिक, खरीफ, 1970 से खरीफ, 1979 तक 150 स्पप्ते वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 स्पप्ते वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के अनुसार सहवं प्रदान करते हैं।